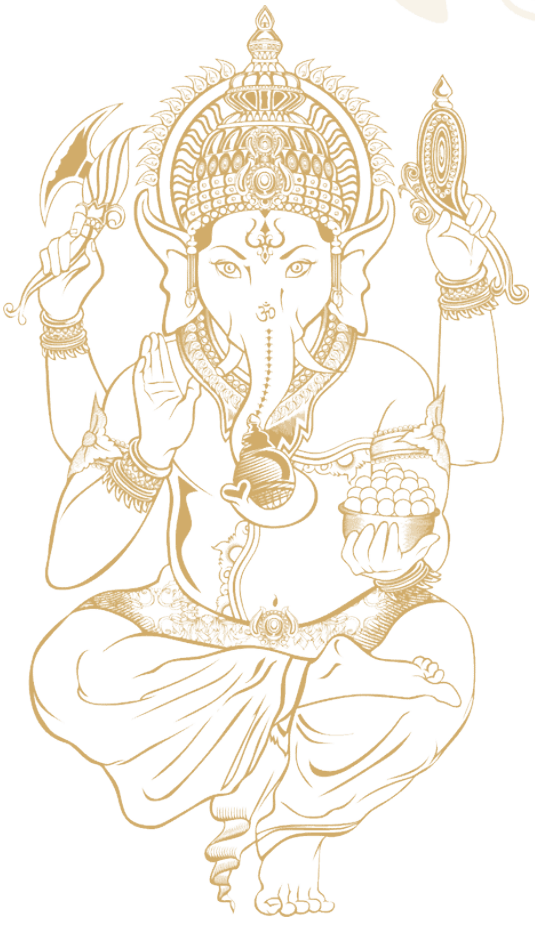

Mr.SHIWAM JHA

Ms. Warsha PATHAK

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120460102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
5-06/05/1997	जन्म तिथि	02/08/1999
सोम-मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:42:00	जन्म समय	12:08:00 घंटे
घटी 53:58:02	जन्म समय(घटी)	17:18:37 घटी
India	देश	India
Begusarai	स्थान	Mokama
25:25:00 उत्तर	अक्षांश	25:24:00 उत्तर
86:08:00 पूर्व	रेखांश	85:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:14:32	स्थानिक संस्कार	00:13:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:06:47	सूर्योदय	05:13:26
18:18:29	सूर्यास्त	18:31:21
23:49:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:53

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 2वर्ष 5मा 18दि		03:18:33	मीन	लग्न	तुला	17:03:10	शनि 3वर्ष 9मा 24दि	
चन्द्र		21:34:46	मेष	सूर्य	कर्क	15:42:07	केतु	
23/10/2025		08:37:59	मेष	चंद्र	मीन	13:59:17	26/05/2020	
24/10/2035		23:18:44	सिंह	मंगल	तुला	18:09:09	27/05/2027	
चन्द्र	24/08/2026	05:58:35	मेष व	बुध व	कर्क	05:29:44	केतु	23/10/2020
मंगल	25/03/2027	26:13:22	मक	गुरु	मेष	10:17:34	शुक्र	23/12/2021
राहु	23/09/2028	00:13:25	वृष	शुक्र व	सिंह	11:04:52	सूर्य	30/04/2022
गुरु	23/01/2030	20:48:02	मीन	शनि	मेष	22:39:35	चन्द्र	29/11/2022
शनि	24/08/2031	04:03:54	कन्या व	राहु	कर्क	19:06:08	मंगल	27/04/2023
बुध	22/01/2033	04:03:54	मीन व	केतु	मक	19:06:08	राहु	14/05/2024
केतु	24/08/2033	14:49:56	मक	हर्ष व	मक	21:11:14	गुरु	20/04/2025
शुक्र	24/04/2035	06:08:04	मक व	नेप व	मक	08:56:30	शनि	30/05/2026
सूर्य	24/10/2035	10:56:04	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	13:57:58	बुध	27/05/2027

लग्न-चलित

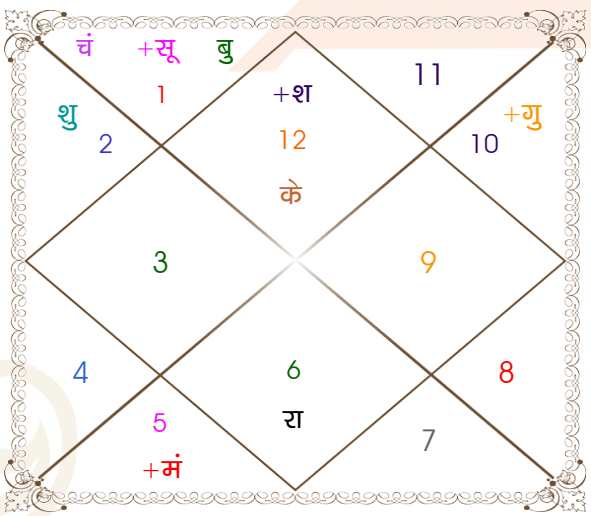

लग्न-चलित

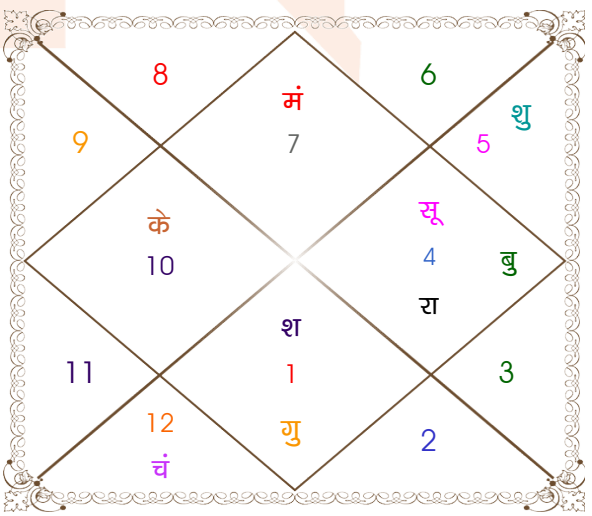

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतपैभ्ॅ।ड श्रभ। का वर्ग सिंह है तथा डेण्ॅतीं च।ज्भ।ज्ञ का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतपैभ्ॅ।ड श्रभ। और डेण्ॅतीं च।ज्भ।ज्ञ का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतपैभ्ॅ।ड श्रभ। मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेण्ॅतीं च।ज्भ।ज्ञ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतपैभ्ॅ।ड श्रभ। कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतपैभ्ॅ।ड श्रभ। कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतपैभ्ॅ।ड श्रभ। तथा डेण्ॅतीं च।ज्भ।ज्ञ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।